



RANA Says

Voice of Canadian-Indians from Rajasthan

OXYGEN RELIEF FUNDRAISING UPDATES

September 2021
Volume 1, Issue 11

Dear RANA Families,

Hope everyone is keeping well! Here is an update on the Oxygen Relief Fundraising. RANA Canada partnered with Amity foundation to supply 20 oxygen concentrators. The O2C were delivered in Shri Sanatan Mandir, Delhi by the supplier for further distribution to various charitable & Hindu organizations across India, for needy people. Most of the O2C has been deployed on the ground and being used. We shared updates in the last newsletters about Bikaner and Singheswar , we will share more updates in the upcoming newsletter If you have any questions, please contact one of us.

Thank you!

Kris Surana, President, RANA Canada, president@ranacanada.ca

Sudip Bhura, Communication Director, communication@ranacanada.ca



Inside this issue

- O₂ Relief Funds Update..... 1
- Picnic 2
- Recipe..... 2
- Hindi Diwas..... 3, 4
- Entertainment..... 5
- Contact Us..... 5

RANA CANADA hosted the most awaited in-person event of this year - Picnic 2021. Members and guests enjoyed a sunny day on Sept 5th at Heartlake Conservation Area. The event was organized keeping in mind the COVID safety protocols. Attendees enjoyed the authentic Rajasthani food, Yoga, Games, Trail, lakeside view, karaoke evening with tea and samosas.

We thank the RANA Picnic Committee for organizing and all the attendees for making it such a great and memorable event.

We look forward to seeing you all at our other in-person events soon.

For more picnic pictures: follow this link:
<https://www.facebook.com/groups/1658330677824000/permalink/3113212405669146/>



Sep Recipe: Panchmel Dal


Sushama Special

RAJASTHANI PANCHMEL DAL

DIRECTIONS



INGREDIENTS

- ½ cup whole green gram (sabut moong), soaked for 3-4 hours and drained
- ½ cup red lentils (sabut masoor), soaked for 3-4 hours and drained
- ½ cup split pigeon peas (tuar dal), soaked for 3-4 hours and drained
- ½ cup split skinless black gram (dhuli urad dal), soaked for 3-4 hours and drained
- ½ cup split Bengal gram (chana dal), soaked for 3-4 hours and drained
- ½ tsp turmeric powder
- Salt to taste
- 2 tablespoon oil
- ½ teaspoon cumin seeds
- 3-4 cloves
- 2 dried red chillies
- ½ teaspoon asafoetida (hing)
- 1 tablespoon ginger paste
- 1 medium tomato, chopped
- 1 teaspoon cumin powder
- 1 teaspoon coriander powder
- ½ teaspoon red chilli powder
- 1 teaspoon garam masala powder
- 2 tablespoon chopped fresh coriander leaves for garnish

- 01** In a pressure cooker, add sabut moong, sabut masoor, tuvar dal, dhuli urad dal, and chana dal. Add turmeric powder and salt. Add enough water and pressure cook for 1-2 whistles.
- 02** Heat oil in a deep non-stick pan, add cumin seeds and sauté till it changes colour. Add cloves, break dried red chillies and add in the pan. Add asafoetida and ginger paste. Sauté well. Add tomato and sauté till it turns pulpy.
- 03** Add cumin powder, coriander powder and red chilli powder. Add sufficient water and sauté till oil separates.
- 04** Add the cooked dal and sufficient water in the pan. Add garam masala powder, salt, coriander and mix well. Cook for 3-4 minutes on medium heat.
- 05** Garnish with fresh coriander leaves and serve hot with steamed rice.



अमेरिकी 'चाय की दूकान' !

भतीजी की शादी में मुरारीलाल, पहली बार पहुंचे अमरीका;
ऊँची इमारतें, गोरी मेमे देख रह गये हक्का बक्का !
घर बैठे -बैठे एक दिन हो गए इतने बोर
समय काटने के लिए, निकले मार्किट की ओर ;
घुमते -घुमते जब लगी चाय की तलब
तभी एक 'चाय की दूकान' पर पड़ी उनकी नज़र !
अन्दर घुसे तो देखा एक लम्बी सी कतार
अंत में खड़े होकर करने लगे अपनी बारी का इंतज़ार;
काउंटर पर खड़ी मेम, क्या फुर्ती दिखा रही थी
अंग्रेजी में चट -पट बोल, झटपट ग्राहक निपटा रही थी !
कुछ ही देर में आ गयी मुरारीलाल की भी बारी
चाय का आर्डर देने की, कर ली थी पूरी तैयारी;
तभी अचानक याद आ गयी भतीजी की कही बात
अमरीका में लोग चाय नहीं, कॉफी पीते हैं जनाब ।
तभी गोरी मेम ने अंग्रेजी में पुछा, "आप क्या लेंगे ?"
बेमन से मुरारीलाल ने कहा, "एक कप कॉफी लेंगे";
"कौन सी कॉफी लेंगे?" करा मेम ने सवाल
"वही जो कडवी होती है," था मुरारीलाल का जवाब ।
मुस्कुरा कर मेम ने जल्दी-जल्दी आठ-दस नाम गिनाए
"मीडियम रोस्ट, डार्क रोस्ट, मोका , कैपेचिनो, एस्प्रेसो, या लाते";
गोरी के गुलाबी अधरों से निकले शब्द अच्छे तो लगे
पर यह सारे नाम मुरारीलाल के सर के ऊपर से निकल गए।
'वोही जो गरम गरम होती है' बोले वे शान से
"ओह , गरम कॉफी! पर कौनसी?" गोरी ने भी प्रश्न किया तपाक से;
वोही जो सफ़ेद रंग के गते के गिलास में आती है" था मुरारीलाल का उत्तर
जिसे सुनकर सब लोग खड़े रहे निरुत्तर !
समय रहा था बीत, बढ़ रही थी भीड़
ग्राहकों के बिदक जाने का था पूरा अंदेशा;
तभी चाय वाली ने एक और प्रश्न फेंका
"टाल , ग्रांटे, वेंटी या ट्रैता ?"
मुरारीलाल ने सोचा,
यहाँ तो फँस गया बेटा !
बात को सँभालते हुए, गोरी बाला मुसकाई
कहा, "मैं आपके लिए अभी एक लाते लाई"
सुन लाते का नाम, मुरारीलाल गए घबरा,
मुक्का-लातों की बात कर रही है, ऐसी मुझसे क्या हुई खता?
नहीं-नहीं, मुझे कुछ भी नहीं चाहिए
कृपया कितना बजा है, मुझे समय तो बताइए;
चाय मिली न कॉफी, मुरारीलाल के मुँह पर बजे बारह
जल्दी से वह हो गए वहाँ से नो, दो, ग्यारह !
और मन ही मन बोले, "अमरीकी रंग -ढंग हमको समझ न आए
इन चायवालिओं के प्रश्नों से भगवान् ही बचाए;
जान बची तो लाखों पाए,
लौट के बुद्धू घर को आये, लौट के बुद्धू घर को आये।"

रश्मि वाष्पण्य

१४ सितम्बर २०२१: हिंदी दिवस के उपलक्ष्य पर राणा कनाडा ने आयोजन किया हिंदी कविता या लेख प्रविष्टि का, जिसके अंतर्गत हमें कुछ अतुल्य लेखनी प्राप्त हुई। हिंदी दिवस पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

माँ का घर !
बरसों बीत गए,
उस घर से विदा हुए।
बरसों बीत गए,
नई दुनिया बसाए हुए।
पर न जाने क्या बात है?
शाम ढलते ही मन,
उस घर पहुँच जाता है।।

माँ की आवाज़ सुनने को,
मन आज भी तरसता है।
महक माँ के खाने की,
आज भी दिल भरमाती है।
शाम होते ही याद आता है,
घर का हँसी से भर जाना।।
काका। का हरदम चहकते हुए , काम से घर आना ।
आते ही राधा राधा पुकारना ।
दिन भर का हाल सुनाना,
एकदम ही ईट पथर का घर बन जाना !

शाम होते याद आता घर,
जहाँ सदा मेहमानों का था,
लगातार आना जाना।।

बहुत मुश्किल से,
मन को समझाती हु
वो दिन बीत गए,
अब तुम सपनों में,
जी लिया करो,
उन पलो को।
लौट के कभी,
न कुछ आएगा।।

आज भी माँ से किए,
वादे को निभाती हु।
सबको खुश रखने की
अथक कोशिश में,
अपना सब कुछ भूल जाती हूँ।

कोई कह दे मेरे रब से,
या तो शाम न ढले।
या माँ के घर की,
असहनीय याद न उभरे।।

बहुत खुश हूँ मैं
अपनी इस दुनिया में।
बिन माँगे सब पाया है,
लेकिन दिल से यादें,
कौन निकाल पाया है?

लवीना जैन



बहुत दिनों से जयपुर जाने कि इच्छा है। कोरोनाकाल के चलते फ़्लाइट्स वगैरह बंद हैं। पर हृदय तो व्याकुल है कि कब जाने को मिले? ये ही सोचते-सोचते आज सवरे पक्षियों को देखा। बहुत अच्छा लगा और साथ ही अनेक विचार भी आने लगे। सब मानव कृत झमेलों में मानव ही उलझ गया। जो विचार है वो आपसे साझा कर रही हूँ। प्रार्थना है कि सब जल्द ही अच्छा हो, सबका स्वास्थ्य अच्छा रहे और इस समय से हम कुछ न कुछ अवश्य सीखें।

कभी कभी सोचती हूँ

क्या होता अगर पंछी होती, उड़ जाती पंख लगाके

उन्मुख गगन में सर उठाके

ना कोई वीजा (visa) की फ़िक्र न कोई पासपोर्ट (passport) का झंझट

इन सब से परे झूमते-गाते

कहीं दाना, कहीं पानी होता

कब खुलेंगी फ़्लाइट्स (flights) ना ये चिंत में होता

ये होता तो क्या होता, झूम जाती हूँ इसी सोच में गोते खाके

कभी-कभी सोचती हूँ

क्या होता अगर पंछी होती, उड़ जाती पंख लगाके

-आयुषी पुरोहित वत्स



झिलमिल तारे/ सुभद्राकुमारी चौहान

सुभद्रा कुमारी चौहान (१६ अगस्त १९०४-१५ फरवरी १९४८) हि न्दी की सुप्रसिद्ध कवीयत्री और लेखिका थीं। झाँसी की रानी (कविता) उनकी प्रसिद्ध कविता है। वे राष्ट्रीय चेतना की एक सजग कवयित्री रही हैं। स्वाधीनता संग्राम में अनेक बार जेल यातनाएँ सहने के पश्चात अपनी अनुभूति यों को कहानी में भी व्यक्त किया। आएं उनकी एक प्रसिद्ध कविता "झिलमिल तारे" साथ मिल कर पढ़ें।

कर रहे प्रतीक्षा कि सकी हैं

झिलमिल-झिलमिल तारे?

धीमे प्रकाश में कैसे तुम

चमक रहे मन मारे।।

अपलक आँखों से कह दो

किस ओर निहारा करते?

किस प्रेयसि पर तुम अपनी

मुक्तावलि वारा करते?

करते हो अमिट प्रतीक्षा,

तुम कभी न विचलित होते।

नीरव रजनी अंचल में

तुम कभी न छिप कर सोते।।

जब निशा प्रिया से मिलने,

दिनकर निवेश में जाते।

नभ के सूने आँगन में

तुम धीरे-धीरे आते।।

विधुरा से कह दो मन की,

लज्जा की जाली खोलो।

क्या तुम भी विरह विकल हो,

हे तारे कुछ तो बोलो।

में भी वियोगिनी मुझसे

फिर कैसी लज्जा प्यारे?

कह दो अपनी बीती को

हे झिलमिल-झिलमिल तारे!

Ref: विकिपीडिया

Note: यह कृति सुभद्रा कुमारी जी की है।

कहाँ जाऊं मां

दिन के चार पहर व्यस्त रखते हैं
पर रात को कहाँ जाऊं मां
भूला नहीं तुझको इक पल भी
जब याद आयी तो कहाँ जाऊं मां
अरमानों का गला काट तूने सब दिया
मैं अपने स्वार्थ को लेकर कहाँ जाऊं मां
दूर आंचल से न अपने किया कभी
मीलों दूर मिली कामयाबी को लेके कहाँ
जाऊं मां
आँखें सिर्फ़ दो नहीं चार नम होती है
अस्थाई तकलीफों का किस्सा लेकर कहाँ
जाऊं मां
मुझ से तेरी उम्मीद बंधी है मुझसे तेरी आशा
अपनी असफलता को लेकर कहाँ जाऊं मां
यहां मौसम अपनी बेरुखी बदल रहा है
तू साथ नहीं तो यह नज़ारे देखने कहाँ जाऊं
मां
घिर गया है हर दिन ज़िम्मेदारी की किशत में
मैं ममता का ऋण चुकाने कहाँ जाऊं मां
मुझे हर आईने में तेरी छवि दिखे
तेरे सराए हुए इस चेहरे को लेकर कहाँ
जाऊं मां
कदम बढ़ा कर फिर पीछे कर लेता हूँ
अपनी बेबसी का सच लेकर कहाँ जाऊं मां
मन के आकाश पर सिर्फ़ मां का रंग ठहरा
हैं
बाकी रंगों का फिजूल इंद्रधनुष लेकर कहाँ
जाऊं मां
रब ने किस के लिए क्या लिखा यह तो वही
जाने
तुझ से दूर रखे ऐसी तकदीर को लेकर कहाँ
जाऊं मां

चेतन पुरोहित



Entertainment

We would love to hear from you!



Please provide your feedback/comments/articles, etc. for future newsletters at communication@ranacanada.ca

Get In Touch With Us!

President: Kris Surana
president@ranacanada.ca

VP Finance: Sandeep Jain
vp@ranacanada.ca

Membership: Mamta Shah
membership@ranacanada.ca

Media and communication Director: Sudip Bhura
communication@ranacanada.ca

Editor-in-Chief: Rashmi Varshney
communication@ranacanada.ca

Annual General Meeting 2020-2021

On: Sunday, Oct 3, 2021.
Time: 11:00am – 2:00pm
@ Sindhi Gurmandir Temple,
207 Queens Plate Dr,
Etobicoke, ON M9W 6Z7

(Meeting will be hosted virtually on Zoom as well.)

AGENDA

1. Call to order
2. Establishment of quorum
3. President's Message
4. Approval of minutes from AGM of Aug 23, 2020
5. Approval of Financial Statements for fiscal year ended December 31, 2020
6. Adjournment

We Are On Social Media!

We are on TELEGRAM and SIGNAL messaging apps.

We share a variety of useful content to keep our friends and visitors on top of all the latest RANA's upcoming events, announcements and much more!

Also, please check out our FB and Instagram pages, and be sure to LIKE, JOIN and FOLLOW us!

You can find us here:

Website - www.ranacanada.ca

Facebook - <https://www.facebook.com/ranacanadafbpage/>

Instagram Handle - ranacanadaca

WhatsApp - <https://chat.whatsapp.com/LOomhxcNACwKwyYwMOzFXI>

Telegram - <https://t.me/joinchat/QLmnp0Ga1ukSfccz>

Signal - <https://signal.group/#CjQKIGx1Yo2M6p55LICXmRfZe5DsbZLMGEL-jpre4BN-4foLoEhB5CMCaa2xwPo1qmWcvVIRI>

Sep Month's Riddle

RIDDLE OF THE MONTH



What is always in front of you but can't be seen?

Look for the correct answer in next issue

Quote of the Month

THE BEST WAY TO PREDICT FREE FUTURE IS TO CREATE IT.
-ABRAHAM LINCOLN



Please send your August month's riddle answer to:

communication@ranacanada.ca

The first person to send the correct answer will receive \$10 as a prize.

Aug 2021 Riddle Answer: Opportunity

Congratulations to **Hansa Heda** on winning the Aug month's Riddle prize!

